Class. I.Com XII
Subject. EPS
Topic - Environment
Lecture. 03
Prepared by Dr C P Sahu
Marwari College Darbhanga.

वातावरण अथवा पर्यावरण

(1)

निकटवर्ती परिस्थितियाँ जिनसे हम घिरे रहते हैं पर्यावरण कहलाती हैं। ये परिस्थितियाँ प्रकृति-प्रदत्त और मानव-प्रदत्त दोनों हो सकती हैं। पर्यावरण व्यक्तियों को प्रभावित करता है जिसमें निरन्तर बदलाव आता रहता है।

साहसी एक सामाजिक प्राणी है जिस पर वातावरण का प्रभाव पड़ना स्वभाविक है। व्यावसायिक अवसर वातावरण में हवा और बादल की तरह मँडराते रहते हैं लेकिन कौन सा बादल किस क्षेत्र में बरसेगा और कौन सी हवा कहाँ अच्छी लायेगी यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता। लेकिन साहसी अपने अनुभव और मौसम के अध्ययन के अनुसार अनुमान लगा लेते हैं।

डेविस्टर शब्दकोष के अनुसार - "पर्यावरण से आशय उन घेरे रहने वाली परिस्थितियों, प्रभावों और शक्तियों से है जो सामाजिक और सांस्कृतिक दशाओं के समूह द्वारा व्यक्तियों अथवा समुदाय के जीवन को प्रभावित करती है।"

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार यह पता चलता है कि जिन संस्थाओं ने वातावरण का विश्लेषण किया है वे अधिकतम लाभ कमाने में सफल हुई हैं यदि वातावरण का विश्लेषण नहीं किया जायेगा तो संस्था को अपनी रणनीति बार-बार बदलना पड़ेगा। जिससे उद्देश्यों को प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

वातावरण का महत्व :- साहसी स्वयं वातावरण में ही रहता है और इसी से उसे अपने लिए अवसर ढूँढता रहता है। पर्यावरण के महत्व को निम्न बातों से स्पष्ट

Scanned with CamScanner

किया जा सकता है :—

(2)

(1) सफलता प्राप्त करने में :- एक उद्यमी को अपना अस्तित्व बचाते हुए सफलता के लिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना होता है। यह तभी संभव है जब उद्यमी वातावरण की गतिविधि पर ध्यान लगाये रखे एवं परिवर्तन के अनुसार अपने को समायोजित करे।

(2) अवसर की खोज में - अवसर वातावरण के चारों ओर घूमता रहता है इसलिए पर्यावरण का अध्ययन साहसी की प्रथम आवश्यकता है। नये साहसी के लिए तो यह वरदान साबित होता है।

(3) अपने आपको समायोजित करने में. वातावरण में परिवर्तन के अनुरूप अपने आपको समायोजित करके लाभदायक स्थिति में बने रहने के लिए वातावरण का अध्ययन आवश्यक है।

(4) अस्तित्व बनाये रखने में - बाजार की प्रतियोगिता में अस्तित्व बनाये रखने के लिए उद्यमी को बहुत ही कठिन हो जाता है। इसलिए वातावरण की हर नब्ज पर ध्यान रखना चाहिए जिससे वह इसके अनुरूप कार्य कर सके।

पर्यावरण के प्रकार :-

(A) आन्तरिक पर्यावरण - इसके अन्तर्गत निम्न घटक आते हैं जिसपर उद्यमी का नियंत्रण रहता है —
भूमि, उत्पादन, मशीन, श्रम, भवन, एवं संगठनात्मक ढाँचा आदि

(B) बाहरी पर्यावरण - इसके अन्तर्गत भी निम्न घटक आते हैं जिसपर उद्यमी का कोई नियंत्रण नहीं रहता है— आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, तकनीकी, प्रतियोगी, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता एवं बाजार इत्यादि ये सभी घटक साहसी के क्रियाकलाप एवं निर्णय को प्रभावित करते हैं।

— X —